

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

मुंबई को मिली पहली महिला आयुक्त : अश्विनी भिडे ने संभाली कमान, प्रशासनिक सुधारों को मिलेगी नई दिशा

Sanket Morankar

Published on 01 Apr 2026



देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के प्रशासनिक ढांचे में एक ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिडे ने मुंबई महानगरपालिका (MCGM) के आयुक्त पद की जिम्मेदारी संभाल ली है। यह नियुक्ति कई मायनों में खास है, क्योंकि वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। उनके नेतृत्व से न केवल प्रशासनिक दक्षता में सुधार की उम्मीद है, बल्कि मुंबई के विकास प्रोजेक्ट्स को भी नई गति मिलने की संभावना जताई जा रही है।

मुंबई महानगरपालिका, जिसे Municipal Corporation of Greater Mumbai (BMC) के नाम से भी जाना जाता है, देश की सबसे समृद्ध और प्रभावशाली नगर निकायों में से एक है। ऐसे में इस संस्था की कमान संभालना किसी भी अधिकारी के लिए बड़ी जिम्मेदारी होती है। अश्विनी भिडे को एक सख्त, ईमानदार और परिणाम देने वाली अधिकारी के रूप में जाना जाता है, और यही कारण है कि उनकी नियुक्ति को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

अश्विनी भिडे इससे पहले मुंबई मेट्रो रेल परियोजनाओं में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने Mumbai Metro Rail Corporation के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करते हुए शहर की महत्वाकांक्षी मेट्रो परियोजनाओं को गति दी। खासतौर पर कोलाबा-बांद्रा-सीपज मेट्रो लाइन (Metro Line 3) जैसे जटिल और बहुचर्चित प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके कार्यकाल के दौरान कई तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया।

नई जिम्मेदारी संभालने के बाद अश्विनी भिडे के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। मुंबई जैसे महानगर में ट्रैफिक, जल निकासी, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दे हमेशा चर्चा में रहते हैं। इसके अलावा, मानसून के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या भी प्रशासन के लिए एक बड़ी परीक्षा होती है। ऐसे में उनकी प्राथमिकता इन समस्याओं का स्थायी समाधान निकालना और शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना होगा।

सूत्रों के अनुसार, अश्विनी भिडे डिजिटल गवर्नेंस और पारदर्शिता को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दे सकती हैं। BMC के कामकाज में तकनीक के अधिक इस्तेमाल से नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार, शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना शामिल हो सकता है।

इसके साथ ही, मुंबई में चल रहे और प्रस्तावित बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करना भी उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा। शहर में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, सड़कों का आधुनिकीकरण, तटीय सड़क (Coastal Road) परियोजना और झोपड़पट्टी पुनर्विकास जैसी योजनाएं सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करती हैं। अश्विनी भिडे का अनुभव इन प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिहाज से भी यह नियुक्ति बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लंबे समय से प्रशासनिक पदों पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है, लेकिन अश्विनी भिडे की नियुक्ति इस धारणा को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे आने वाले समय में और अधिक महिलाओं को नेतृत्व के अवसर मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह बदलाव अहम है, क्योंकि मुंबई महानगरपालिका का कामकाज सीधे तौर पर राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों से जुड़ा होता है। ऐसे में अश्विनी भिडे को विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय बनाकर काम करना होगा, ताकि विकास कार्यों में कोई बाधा न आए।

जनता की अपेक्षाएं भी इस नियुक्ति से काफी बढ़ गई हैं। मुंबईकर चाहते हैं कि शहर की समस्याओं का जल्द समाधान हो और उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाएं मिलें। खासतौर पर ट्रैफिक जाम, गड्ढों वाली सड़कों और जलभराव जैसी समस्याओं से निजात दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

कुल मिलाकर, अश्विनी भिडे का मुंबई महानगरपालिका आयुक्त के रूप में कार्यकाल कई नई संभावनाओं और उम्मीदों के साथ शुरू हुआ है। उनके अनुभव, कार्यशैली और दृढ़ नेतृत्व के चलते यह माना जा रहा है कि मुंबई के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। अब देखना यह होगा कि वे अपनी रणनीतियों और निर्णयों के जरिए इस महानगर को और अधिक आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने में कितनी सफल होती हैं।